ग्यारस बिन दर्शन | By Mukesh Bagda

ये ग्यारस बिन तेरे दर्शन क्यूँ बाबा बीत जाती है
क्यूँ बाबा बीत जाती है
मुझे दिन रात खाटू की ओ बाबा याद आती है
तुम्हारी याद आती है

है सूना मन तेरे दर्शन के बिन बाबा करूँ मैं क्या
तू ही आजा मिलन को अब मैं तुझसे और मांगू क्या
है रोती याद में तेरी ये आँखें भर सी जाती हैं
ये आँखें भर सी जाती हैं
ये ग्यारस बिन तेरे दर्शन .....

तेरे मंदिर के बाहर का नज़ारा याद आता है
कोई रोता है मिलने को कोई तो मुस्कुराता है
महक माटी की खाटू की मेरी साँसों में आती है
मेरी साँसों में आती है
ये ग्यारस बिन तेरे दर्शन .....

तू कर ऐसा जतन बाबा समय जल्दी ये कट जाए
तेरे दरबार में आकर तेरे भजनो को हम गायें
तुम्हारा स्नेह पाने की कसक बढ़ती ही जाती है
कसक बढ़ती ही जाती है
ये ग्यारस बिन तेरे दर्शन .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%b8-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%a8-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%a8-by-mukesh-bagda/